विद्यार्थी जहां अध्ययन कर रहा, वहीं पर होंगी उसकी परीक्षाएं

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस बार परीक्षा पद्धति में किया बड़ा बदलाव

शासन द्वारा घोषित अवकाश में भी परीक्षाएं यथावत रूप से चलेंगी

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

घातक कोरोना आपदा को देखते हुए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस बार की परीक्षा पद्धति में बड़ा बदलाव किया है। परीक्षा टाइम टेबल जारी करने के साथ.साथ मंडल ने समस्त कलेक्टरों को निर्देश जारी किए हैं कि इस बार यदि शासन कोई अवकाश घोषित करता भी है तभी परीक्षाओं का क्रम अनवरत रूप से चलेगा। इस बार परीक्षाओं में अध्ययन संस्थान नहीं परिवर्तित की जाएगी।

मंडल सचिव द्वारा स्पष्ट किया गया है कि संचालित समस्त परीक्षाएं प्रातः 8 बजे से 11 के मध्य संपन्न कराई जाएंगी। निमित्त स्वाध्याय दृष्टिहीन मूकबधिर परीक्षार्थियों की परीक्षाएं समान रूप से एक ही तिथि और दिवस में होंगी। मंडल का कहना है कि पूरा कार्यक्रम वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दिया गया है। मंडल से मान्यता प्राप्त समस्त प्राचार्य को भी निर्देश दिए गए हैं कि घोषित परीक्षा कार्यक्रम से समस्त छात्रों को अवगत कराया जाए। मंडल के परीक्षा कार्यक्रम को शाला के नोटिस बोर्ड पर भी चश्मा करना होगा। निर्देश दिए गए हैं कि इस कार्यक्रम को कृपया भली.भांति नोट किया जाए। परीक्षा कार्यकाल में शासन द्वारा यदि कोई साप्ताहिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है। तब भी परीक्षाएं यथावत चलेगी। नियमित परीक्षार्थियों की परीक्षा उनके विद्यालय एवं स्वाध्याय छात्रों की प्रायोगिक परीक्षाएं परीक्षा केंद्र पर ही संचालित की जाएंगी।

संक्रमण से बचाव के लिए किया गया है बदलाव

बताना होगा कि पिछले कुछ सालों से माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा प्रणाली में बदलाव करता रहा है। विद्यार्थी जहां अध्ययन करता था वहां पर परीक्षा ना कराते हुए दूसरे विद्यालयों में सेंटर स्थापित किया जाता रहा है।

मंडल में अधिकारियों का कहना है कि करुणा का संक्रमण प्रदेश में अभी भी कम नहीं हुआ है। अगर अध्ययन संस्था बदलती है तो जहां विद्यार्थियों को आवाजाही में परेशानी होगी वही भीड़ भी नुकसान का कारण बन सकती है। बढ़ती संक्रमण को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि इस बार नियमित विद्यार्थी जहां पढ़ रहे हैं वहीं पर उनकी परीक्षा करवाई जाएगी। टाइम टेबल जारी करने के साथ.साथ प्राचार्य को भी इस संदर्भ में सूचित कर दिया गया है।

नियमित छात्रों के प्रैक्टिकल परीक्षा केंद्रों पर

माध्यमिक शिक्षा मंडल का कहना है कि नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं उनके विद्यालय एवं स्वाध्याय छात्रों की प्रायोगिक परीक्षाएं उन्हें आवंटित परीक्षा केंद्र पर संचालित की जाएंगी। इनकी तिथियां तथा समय ज्ञात करने के लिए प्राचार्य केंद्र अध्यक्ष से संपर्क स्थापित रखा जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर प्राइवेट विद्यार्थियों की परीक्षा अवकाश के दिनों में भी आयोजित की जा सकेंगी। परीक्षा केंद्र पर समस्त परीक्षार्थियों को प्रातः 7रू30 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में 7ण्45 बजे के बाद पश्चात किसी भी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 10 मिनट पूर्व छात्रों को उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट के पहले प्रश्न पत्र दिए जाए।

आवश्यकता पड़ी तो बदला जाएगा समय

मंडल मैं अधिकारियों का कहना है कि आवश्यकता होने पर तिथि एवं समय कभी भी बिना पूर्व सूचना के परिवर्तन कर सकता है। किंतु संचार माध्यमों से सूचित किया जाएगा। हायर सेकेंडरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाई स्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों में निर्धारित नियमित एवं स्वाध्याय छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा। किंतु नियमित छात्रों को शो अंकित के प्राप्तांक का 80: अधिभार एवं स्वाध्याय छात्रों को 100 अंकों के प्राप्तांक की अंकसूची प्रदर्शित किए जाएंगे।

आवश्यकता पड़ने पर माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा तिथियों में बदलाव भी कर सकता है

आपदा के समय माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षाएं जरूर कराने जा रहा हैए लेकिन जवाबदार अधिकारियों के बीच अभी भी कहीं ना कहीं महामारी को लेकर दहशत फैली हुई है। शनिवार को टाइम टेबल घोषित करने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस बात का भी उल्लेख किया है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो परीक्षाओं की तिथियों में बदलाव भी किया जा सकता है। कारण साफहै कि महामारी को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल अभी भी डरा हुआ है। कारण भी है कि पिछले सत्र की परीक्षाएं चल रही थी तभी कोर उन्होंने अचानक दस्तक दी थी। जब संक्रमण का प्रकोप बढ़ा दो माध्यमिक शिक्षा मंडल को विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परीक्षाएं बंद करनी पड़ी थी। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी हमें सचेत रहने की जरूरत है। टाइम टेबल घोषित करने के साथ.साथ इस बात की जानकारी दी केंद्र अध्यक्षों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाई जा रही है मंडल का कहना है कि परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न इस कारण कलेक्टरों को भी निर्देश दे दिए गए हैं।

Badri Gautam

दसवीं और बारहवीं के नियमित छात्रों का सौ अंकों का होगा पेपर, अस्सी में बनेगा रिजल्ट

10वीं, 12वीं का परीक्षा कार्यक्रम घोषित

शहर प्रतिनिधि, भोपाल

मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्ष 2021 की दसवीं, बारहवीं, शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा और डीपीएसई की परीक्षा के कार्यक्रम शनिवार को घोषित कर दिए है। दसवीं की परीक्षा 30 अप्रैल से 15 मई तक और बारहवीं की परीक्षा एक मई से 18 मई तक आयोजित की जाएगी। इसी तरह शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) और डीपीएसई परीक्षा (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम) 30 अप्रैल से 11 मई तक आयोजित की जाएगी। ये सभी परीक्षाएं सुबह 8 बजे से 11 बजे के बीच संपन्न होंगी। परीक्षा केंद्र पर सभी परीक्षार्थियों को सुबह साढ़े 7 बजे उपस्थित होना अनिवार्य होगा। परीक्षा कक्ष में सुबह 7.45 बजे के पश्चात किसी भी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 10 मिनट के पूर्व छात्रों को उत्तर पुस्तिका एवं 5 मिनट पूर्व प्रश्न पत्र दिए जाएंगे। हायर सेकेंडरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाई स्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषयों को छोड़कर शेष विषयों में नियमित एवं स्वाध्याय छात्रों के लिए प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा, किंतु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80 फीसदी अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंकों के प्राप्तांक अंकसूची में प्रदर्शित किए जाएंगे। नियमित, स्वाध्यायी, दृष्टिहीन, मूक-बधिर दिव्यांग परीक्षार्थियों की परीक्षाएं सामान्य रूप से एक ही दिन एवं समय में संपन्न होंगी। परीक्षा काल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक या स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है, तो भी परीक्षाएं यथावत कार्यक्रम अनुसार ही संपन्न होंगी। परीक्षा का कार्यक्रम मंडल की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

Badri Gautam

बारहवीं परीक्षा का टाइम टेबल (परीक्षा का समय सुबह 8 से 11 बजे तक)

तारीख	दिन	प्रश्न पत्र
०1 मई	शनिवार	विशिष्ट-भाषा हिंदी, द्वितीय भाषा सामान्य हिंदी व्होकेशनल छात्रों सहित।
०3 मई	सोमवार	विशिष्ट भाषा संस्कृत, द्वितीय भाषा सामान्य संस्कृत व्होकेशनल छात्रों सहित।
०4 मई	मंगलवार	फिजिक्स, व्यवसायिक अर्थशास्त्र, एनिमल हसबेंड्री मिल्क एंड ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एंड फिसरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, द्वितीय प्रश्न पत्र वोकेशनल कोर्स।
०5 मई	बुधवार	विशिष्ट भाषा उर्दू, द्वितीय भाषा सामान्य उर्दू व्होकेशनल छात्रों सहित।
०6 मई	गुरुवार	विशिष्ट भाषा सामान्य अंग्रेजी, द्वितीय भाषा सामान्य अंग्रेजी व्होकेशनल छात्रों सहित।
०8 मई	शनिवार	एनएसक्यूएफ के समस्त विषय, शारीरिक शिक्षा, प्रथम प्रश्न पत्र व्होकेशनल कोर्स।
10 मई	सोमवार	भूगोल, क्रॉप प्रोडक्शन एंड हर्टिकल्चर, स्टील लाइफ एंड डिजाइन, शरीर रचना क्रिया-विज्ञान एवं स्वास्थ्य, बुक-कीपिंग एंड एकाउंटेंसी, तृतीय प्रश्न-पत्र व्होकेशनल कोर्स।
11 मई	मंगलवार	बायलॉजी, बायोटेक्नालाजी।
12 मई	बुधवार	समाज शास्त्र, मनोविज्ञान, कृषि (मानविकी), होम साइंस, इनवायरमेंटल एज्युकेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (व्होकेशनल), ड्राइंड एंड डिजाइनिंग, इनफोरमेटिक प्रेक्टिसेस।
13 मई	गुरुवार	केमिस्ट्री, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, एली. आफ साइंस एंड मेथेमेटिक्स यूजफुल फॉर एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेंटिंग, गृह प्रबंध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान।
17 मई	सोमवार	मेथमेटिक्स।
18 मई	मंगलवार	भारतीय संगीत, राजनीति शास्त्र।

दसवीं परीक्षा परीक्षा का टाइल टेबिल (परीक्षा का समय सुबह 8 से 11 बजे तक)

30 अप्रैल	शुक्रवार	विशिष्ट भाषा हिंदी, द्वितीय व तृतीय भाषा सामान्य हिंदी।
०1 मई	शनिवार	एनएसक्यूएफ के समस्त विषय।
०3 मई	सोमवार	सामाजिक विज्ञान
०4 मई	मंगलवार	विशिष्ट भाषा उर्दू, तृतीय भाषा सामान्य उर्दू।
०5 मई	बुधवार	विशिष्ट भाषा संस्कृत, द्वितीय व तृतीय भाषा सामान्य संस्कृत।
०6 मई	गुरुवार	तृतीय भाषा सामान्य मराठी, गुजराती, पंजाबी व सिंधी, केवल मूक तथा बधिर छात्रों के लिए पेटिंग, केवल दृष्टिहीन छात्रों के लिए संगीत।
०8 मई	शनिवार	विज्ञान
11 मई	मंगलवार	विशिष्ट भाषा अंग्रेजी, द्वितीय व तृतीय भाषा सामान्य अंग्रेजी।
15 मई	गुरुवार	गणित

इस बार 16 से 18 दिन में समाप्त हो जाएगी 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षा

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा 30 अप्रैल से शुरू होने वाली है। शनिवार को समय-सारिणी और दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस बार बोर्ड परीक्षा 35 दिन के बदले 16 से 18 दिन में समाप्त हो जाएगी। साथ ही मूल्यांकन अवधि में भी 10 से 15 दिन की बचत होगी। इसका कारण यह है कि इस साल हर विषय के लिए सिर्फ एक दिन का गैप मिला है, जबकि पिछले सालों में तीन से चार दिन का गैप मिलता था। इसके अलावा 21 व्यावसायिक पाठ्यक्रम के ट्रेंड को बंद कर दिया गया है। परीक्षा का कार्यक्रम माशिमं की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

समय-सारिणी में दिन और दिनांक को लेकर असमंजस: माशिमं ने बोर्ड परीक्षा की जो समय-सारिणी जारी की है। उसमें दिन और दिनांक को लेकर विद्यार्थी असमंजस में हैं। दरअसल, दसवीं की समय-सारिणी में 15 मई को गुरुवार लिखा है, जबकि उस दिन शनिवार है। इस दिन गणित का पेपर है। मंडल के सचिव उमेश कुमार सिंह का कहना है कि समय-सारिणी में संशोधन कर फिर से जारी की जाएगी।

बारहवीं में पहला पेपर हिंदी का

1 मई- विशिष्ट भाषा हिंदी व द्वितीय भाषा सामान्य हिंदी
3 मई- विशिष्ट भाषा व द्वितीय भाषा संस्कृत
4 मई- भौतिकी, व्यावसायिक अर्थशास्त्र/ अर्थशास्त्र, एनिमल हस्बेंड्री मिल्क ट्रेड पोल्ट्री फार्मिंग एंड फिसरीज, विज्ञान के तत्व, भारतीय कला का इतिहास, द्वितीय प्रश्न पत्र वोकेशनल कोर्स
5 मई- विशिष्ट भाषा उर्दू
8 मई- नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के सभी विषय, शारीरिक शिक्षा, प्रथम प्रश्न पत्र वोकेशनल कोर्स
10 मई- भूगोल, बुक कीपिंग एंड एकाउंटेंसी, क्रॉप प्रोडक्शन एंड हार्टिकल्चर, शरीर रचना क्रिया-विज्ञान व स्वास्थ्य, तृतीय प्रश्न पत्र वोकेशनल कोर्स
11 मई- जीव विज्ञान, बायोटेक्नोलॉजी
12 मई- समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, कृषि (मानविकी), होम साइंस, इनवायरमेंटल एजुकेशन एंड रूरल डेवलपमेंट, ड्राइंग एंड डिजाइन, इंफोरमेटिक प्रैक्टिसेस
13 मई- रसायनशास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, गृह प्रबंध पोषण एवं वस्त्र विज्ञान, एलीमेंट ऑफ साइंस एंड मैथेमेटिक्स यूजफुल फार एग्रीकल्चर, ड्राइंग एंड पेंटिंग
17 मई- गणित
18 मई- भारतीय संगीत, राजनीतिशास्त्र

दसवीं की समय सारिणी

30 अप्रैल- विशिष्ट भाषा हिंदी, द्वितीय व तृतीय भाषा सामान्य हिंदी
1 मई- नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन के सभी विषय
3 मई- सामाजिक विज्ञान
4 मई- विशिष्ट भाषा उर्दू
5 मई- विशिष्ट भाषा संस्कृत, द्वितीय व तृतीय भाषा संस्कृत
6 मई- तृतीय भाषा मराठी, गुजराती, पंजाबी, संगीत व पेंटिंग
8 मई- विज्ञान
11 मई- विशिष्ट भाषा अंग्रेजी, द्वितीय व तृतीय भाषा अंग्रेजी
15 मई- गणित

Badri Gautam

अंततः हटाए गए विवादित एपीसी वित्त

पेंशन कार्यालय सीधी के लिए किया गया तबादला

जागरण, रीवा। डीपीसी कार्यालय में पदस्थ विवादित एपीसी वित्त पुष्पराज सिंह को शासन द्वारा हटा दिया गया। उन्हें सीधी जिले के पेंशन कार्यालय में पदस्थ किया गया है। ज्ञात हो कि लगभग 4 वर्ष पूर्व अगस्त 2016 में जिला शिक्षा केंद्र रीवा में सहायक परियोजना समन्वयक वित्त के पद पर अस्थाई रूप से पुष्पराज सिंह को पदस्थ किया गया था। वह अपनी कार्यप्रणाली को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहे। कलेक्टर कार्यालय से लेकर कमिश्नर कार्यालय एवं राज्य स्तर पर इनकी कई शिकायतें लंबित हैं और कई पर जांच भी चल रही है इसी दौरान उनको पद से हटा दिया गया है।

आरोप यह भी सामने आया कि मूल रूप से वित्तीय सुधारों एवं सलाह देने के लिए पदस्थ किए गए पुष्पराज सिंह ने अपने आप को स्वयं नियम कायदों की आड़ में एक जांच

Badri Gautam

अधिकारी की तरह प्रस्तुत किया और कार्यालयीन सामान्य गतिविधियों को बाधित करने का काम किया।

इस दौरान 2017-18 में प्रतिभा पर्व पेपर छपाई के भुगतान में एवं गतिविधि पुस्तिका निर्माण के भुगतान गड़बड़ी को लेकर तत्कालीन जिपं सीईओ द्वारा नोटिस भी जारी किया गया था। सत्र 2018-19 आयुक्त राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देश पर कलेक्टर द्वारा एक जांच 2 सदस्य दल के द्वारा कराई गई थी जिसे अभिलेख नहीं उपलब्ध कराये गए और अभी तक जांच लंबित है। भवन विहीन छात्रावासों को पलंग खरीदी एवं सुपर 151 में चयनित विद्यालयों की जैम पोर्टल से खरीदी की शिकायतें भी प्रचलन में हैं। हांलाकि कांग्रेस शासनकाल में वह नेताओं से करीबी का जमकर लाभ उठाया। और विभागीय अधिकारियों पर भी धौस जमा रखी थी। जिस वजह से बीआरसीसी नियुक्ति, छात्रावासों के भ्रमण तथा उनके निलंबन और बहाली को लेकर भी कई बार आरोप लगे थे। हालांकि इनके खिलाफ जो जांचे चल रही हैं उसमें निर्णय आना अभी भी बाकी है।

'विवाहित पुत्री को भी अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार'

मप्र हाई कोर्ट का फैसला ● तीन माह के भीतर शिकायत दूर करने के निर्देश के साथ याचिका का पटाक्षेप

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि विवाहित पुत्री को भी अनुकंपा नियुक्ति हासिल करने का अधिकार है। लिहाजा, संबंधित विभाग तीन माह के भीतर याचिकाकर्ता की शिकायत दूर करे।

न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी दिव्या दीक्षित की ओर से अधिवक्ता अनिरुद्ध पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पिता स्व.कृष्ण कुमार पांडे जबलपुर में जेल अधीक्षक के अधीनस्थ कार्यरत थे। वो सितंबर, 2007 को कार्य के दौरान उनका निधन हो गया। इसके बाद 21 सितंबर, 2019 को याचिकाकर्ता की

मां कृष्णा पांडे का भी निधन हो गया। याचिकाकर्ता माता-पिता की इकलौती संतान है। उसका विवाह 2010 में हुआ था। माता-पिता के निधन के बाद याचिकाकर्ता ने जेल विभाग में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया। लेकिन उसका आवेदन यह कहकर खारिज कर दिया गया कि वह विवाहित है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अनिरुद्ध पांडे ने जोर देकर कहा कि संविधान के अनुच्छेद-14 के अंतर्गत समानता का अधिकार मूलभूत है। यह मामला समानता के अधिकार के उल्लंघन की परिधि में आता है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ के न्यायदृष्टांत की रोशनी में इस तरह लिंगभेद करते हुए अनुकंपा नियुक्ति के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट ने पूरा मामला समझने के बाद याचिकाकर्ता के हक में आदेश पारित कर दिया। जिसमें साफ किया गया कि महानिदेशक, जेल व जेल अधीक्षक, जबलपुर याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन पर तीन माह के भीतर समुचित निर्णय लें। इस तरह विवाहित होने के आधार पर अनुकंपा नियुक्ति से वंचित करना अनुचित है।

Badri Gautam

पीएससी के नियमों में संशोधन पर राज्य शासन व मप्र लोक सेवा आयोग को नोटिस

जबलपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में एक याचिका के जरिये एमपी पीएससी के नियमों में संशोधन को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश मोहम्मद रफीक व जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की युगलपीठ ने इस सिलसिले में राज्य शासन व मप्र लोक सेवा आयोग को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी को निर्धारित की गई है। वाई का वगीचा जबलपुर निवासी प्रभोव सिंह सिरसम की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि मप्र पीएससी नियम 2015 में 17 फरवरी, 2020 को संशोधन कर दिया गया है। नियम-तीन उपनियम (ए) (डी) में संशोधन के जरिए कहा गया है कि यदि प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा में आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी अनारक्षित वर्ग के कट ऑफ मॉर्क्स लाता है। इसके बाद भी उसे आरक्षित वर्ग में ही रखा जाएगा। अभ्यर्थियों का समायोजन नियुक्ति के समय किया जाएगा। अधिवक्ता यश सोनी ने दलील दी कि यदि आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी अनारक्षित वर्ग के कट ऑफ मॉर्क्स लाता है तो उसे अनारक्षित वर्ग में शामिल किया जाएगा। सुनवाई के बाद कोर्ट ने राज्य सरकार और पीएससी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

एमपी पीएससी के नियमों में संशोधन पर राज्य सरकार और पीएससी को नोटिस

हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 24 फरवरी को

कार्यालय संवाददाता, जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मोहम्मद रफीक और जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की डिवीजन बैंच ने एमपी पीएससी के नियमों में संशोधन के खिलाफ दायर याचिका पर नोटिस जारी किया है। डिवीजन बैंच ने राज्य सरकार और पीएससी को 24 फरवरी तक जवाब पेश करने का निर्देश दिया है।

यह है मामला | यह याचिका बाई का बगीचा जबलपुर निवासी प्रमोद सिंह सिरसम ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि मप्र पीएससी नियम 2015 में संशोधन कर दिया गया है। 17 फरवरी 2020 को नियम 3 उपनियम (ए)(डी) में किए गए संशोधन में कहा गया है कि आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी यदि प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा में अनारक्षित वर्ग के समान कट ऑफ मॉर्क्स लाता है, तो भी उसे आरक्षित वर्ग में ही रखा जाएगा। अभ्यर्थियों का समायोजन नियुक्ति के समय किया जाएगा। इस संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव से लागू किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन

याचिका में कहा गया कि सौरभ यादव विरुद्ध यूपी सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने न्याय दृष्टांत दिया है कि आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी यदि अनारक्षित वर्ग के समान कट ऑफ मॉर्क्स लाता है तो उसे अनारक्षित वर्ग में शामिल किया जाएगा। अधिवक्ता यश सोनी ने तर्क दिया कि पीएससी नियम में संशोधन असंवैधानिक हैं, इसे निरस्त किया जाना चाहिए। सुनवाई के बाद डिवीजन बैंच ने नोटिस जारी कर अनावेदकों से जवाब तलब किया है।

Badri Gautam

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन 5 फरवरी तक

विद्यार्थियों ने छह दिन में दस्तावेज जमा नहीं कराए तो नहीं मिलेगा प्रवेश

Badri Gautam

भोपाल। कोरोना संक्रमण के कारण 18 जनवरी से प्रदेश के कॉलेज खुल चुके हैं। कॉलेजों में अब भी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की भीड़ देखी जा रही है। अगर अब छह दिनों में प्रथम वर्ष के विद्यार्थी दस्तावेज जमा नहीं किए और सत्यापन नहीं कराया तो एडमिशन निरस्त कर दिया जाएगा। कॉलेजों में जनवरी पहले सप्ताह तक नए सत्र के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया था। वहीं कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया बंद हुए 15 दिन का समय बीत चुका है, लेकिन अब भी करीब 30 फीसद विद्यार्थियों द्वारा अब भी कॉलेज में जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। इसके बाद उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को शनिवार तक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे।

ऑनलाइन हुई प्रवेश प्रक्रिया

वहीं उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश के बाद कॉलेज में काउंसिलिंग 6 चरण प्रक्रिया को जनवरी के पहले सप्ताह में पूरा कर लिया गया था। वहीं इस बार प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन हुई थी। इसके बाद शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के जरूरी दस्तावेज मंगवाए गए थे। इसके बावजूद इसके कॉलेज एडमिशन के 30 फीसद विद्यार्थियों द्वारा अभी दस्तावेज जैसे टीसी और माइग्रेशन सहित जाति प्रमाण पत्र कॉलेज को नहीं सौंपे गए हैं। यदि विद्यार्थियों द्वारा दो दिन के भीतर जरूरी दस्तावेज की सत्यापन की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो उनका एडमिशन निरस्त कर दिया जाएगा।

छात्रवृति पोर्टल में किया गया बदला, प्राधिकृत अधिकारी के डिजीटल हस्ताक्षर कराएं अपलोड

भोपाल (आरएनएन)। पिछडा वर्ग छात्रवृति योजनान्तर्गत शैक्षणिक वर्ष 2020-21 हेतु समस्त शैक्षणिक संस्थाएं अपने प्राधिकृत अधिकारी के डिजीटल हस्ताक्षर बनवाकर 31 जनवरी तक स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करें। ये निर्देश शुक्रवार को पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सभी शैक्षणिक संस्थाओं को दिए । पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि राज्य शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति 2020-21 के लिए छात्रवृति पोर्टल में बदलाव किया गया है, जिसमें छात्रवृति आवेदन महाविद्यालय से विभाग को भेजने के लिए डिजीटल हस्ताक्षर आवश्यक है।

Badri Gautam

पिछड़ा वर्ग छात्रवृति योजनान्तर्गत शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए प्राधिकृत अधिकारी की जानकारी उनका नाम, पद, मोबाईल नम्बर, पता, ई-मेल आईडी, आधार कार्ड, पासपोर्ट साईज पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ आदि दस्तावेज प्रमाणित कर पत्र के साथ शीघ्र भेजें, ताकि जिला स्तर से डिजीटल हस्ताक्षर वेरीफाई किये जा सकें। डिजीटल हस्ताक्षर अपलोड के के बाद ही छात्रवृति आवेदनों में अग्रिम कार्यवाही की जा सकेगी। सभी अशासकीय महाविद्यालय अपनी संस्था की एवं संचालित प्रत्येक पाठ्यक्रम की वर्ष 2020-21 की मान्यता संबंधी समस्त दस्तावेज प्रमाणित कर 31 जनवरी तक इस कार्यालय को उपलब्ध कराएं ।

प्रमोशन के बाद 34 डीएसपी बने एडिशनल एसपी

12 आईपीएस, 20 एएसपी और 12 डीएसपी के तबादले

पीपुल्स ब्यूरो • भोपाल
मो.नं. 9425493055

भोपाल के सीएसपी अंकित जायसवाल को भोपाल में ही एडिशनल एसपी और भोपाल एडिशनल एसपी रजत सकलेचा को 26वीं वाहिनी गुना का सेनानी बनाने के साथ ही राज्य शासन ने शनिवार को 12 आईपीएस सहित 32 राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के तबादला आदेश जारी कर दिए। साथ ही 12 डीएसपी के तबादले भी किए गए हैं।

आईपीएस की तबादला सूची

नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
अंकित जायसवाल	सीएसपी, भोपाल	एएसपी, भोपाल
रजत सकलेचा	एएसपी, भोपाल	सेनानी, 26वीं वाहिनी, गुना
निवेदिता नायडू	एएसपी, मु.भोपाल	सेनानी, 25वीं वाहिनी, भोपाल
समीर सौरभ	एएसपी, छतरपुर	सेनानी, 10वीं वाहिनी, सागर
अगम जैन	एएसपी, जबलपुर	एसपी, पीटीसी, इंदौर
अमित तोलानी	एएसपी, इंदौर महू	सेनानी, 17वीं वाहिनी, भिंड
अमित कुमार	एएसपी, जबलपुर	सेनानी, 36वीं वाहिनी, बालाघाट
हंसराज सिंह	एएसपी, मुरैना	एसपी, पीटीसी, तिघरा
रोहित काशवानी	सीएसपी, जबलपुर	एएसपी, जबलपुर
पुनीत गहलोत	सीएसपी, इंदौर	एएसपी, महू इंदौर
रविंद्र वर्मा	सीएसपी, उज्जैन	एएसपी, उज्जैन
हितिका बंसल	डीएसपी मु. सतना	एएसपी, ग्वालियर

डीएसपी से एएसपी प्रमोशन और पोस्टिंग

ममतेश माली	डीएसपी, एटीएस, भोपाल	एसपी, एटीएस, भोपाल
अलका शुक्ला	डीएसपी, एसबी, भोपाल	एआईजी, एसबी, भोपाल
यास्मीन जहरा जमाल	डीएसपी, भौंरी, भोपाल	एएसपी, क्यूडी, भोपाल
पिंकी जिवनानी	डीएसपी, गुना	एएसपी, महिला अपराध, भोपाल
लोकेश सिन्हा	डीएसपी, पीएचक्यू	एएसपी, महिला अपराध, भोपाल
लवली सोनी	एसडीओपी, बीना	एएसपी, अंगुली चिन्ह, भोपाल
लक्ष्मी कुशवाह	डीएसपी, ट्रेनिंग, भोपाल	एसपी, पीटीएस, उमरिया
योगेश शर्मा	डीएसपी, एसबी, भोपाल	एआईजी, प्लानिंग, भोपाल
अरुण कश्यप	ससेनानी, आरएपीटीसी, इंदौर	सेनानी, सुरक्षा वाहिनी, राजभवन
हरिनारायण अहिरवार	डीएसपी, रेडियो, उज्जैन	एसपी, रेडियो, भोपाल
नरेंद्र शाक्य	डीएसपी, रेडियो, मुरैना	एसपी, रेडियो, मु. भोपाल
जगन्नाथ मरकाम	एसडीओपी, कटंगी बालाघाट	उपसेनानी 6वीं वाहिनी, जबलपुर
जगदीश प्रसाद नागर	ससेनानी, 18वीं वाहिनी, शिवपुरी	उपसेनानी, 5वीं वाहिनी, मुरैना
राकेश पांडेय	ससेनानी, 25वी वाहिनी, भोपाल	उपसेनानी, 13वीं वाहिनी, ग्वालियर
परवेज खान	ससेनानी, 13वीं वाहिनी, ग्वालियर	उपसेनानी, 26वीं वाहिनी, गुना
श्याम बाबू	ससेनानी, 2री वाहिनी, ग्वालियर	उपसेनानी, 8वीं वाहिनी, छिंदवाड़ा
नेतराम गोहिया	ससेनानी, 23वीं वाहिनी, भोपाल	उपसेनानी, 14वीं वाहिनी, ग्वालियर
अश्विनी पाठक	ससेनानी, 2री वाहिनी, ग्वालियर	उपसेनानी, 13वीं वाहिनी, ग्वालियर
कमलेश शर्मा	ससेनानी, 23वीं वाहिनी, भोपाल	उपसेनानी, एसआईएसएफ, रीवा
प्रवीण झारिया	डीएसपी, रेडियो, एटीएस, भोपाल	एआईजी, एसबी, भोपाल
मनोज चतुर्वेदी	ससेनानी, 5वी वाहिनी, छिंदवाडा	उपसेनानी, सीआईजेडब्ल्यू, भोपाल
हरीसिंह रघुवंशी	ससेनानी, 23वीं वाहिनी, भोपाल	उपसेनानी, 23वीं वाहिनी, भोपाल

इन अधिकारियों के भी प्रमोशन और तबादले

प्रमोद सिन्हा	एसपी, अजाक, उज्जैन	एआईजी, पीएचक्यू, भोपाल
अंजना तिवारी	एएसपी, पीटीएस, उज्जैन	एसपी, एसटीएफ, भोपाल
प्राची द्विवेदी	उपसेनानी, 1ली वाहिनी, इंदौर	एआईजी, पीएचक्यू, भोपाल
जितेंद्र पटेल	उपसेनानी, 6वीं वाहिनी, जबलपुर	एसपी, रेडियो, मु. भोपाल
प्रांजलि शुक्ला	एसपी, रेडियो, जबलपुर	एआईजी, पीएचक्यू, भोपाल
नीतू कटारा	एसपी, रेडियो, भोपाल	एसपी, एसटीएफ, भोपाल
राजेश तिवारी	एआईजी, वूमन क्राइम, पीएचक्यू	जोनल एसपी, एसबी, सागर
राजेश शर्मा	उपसेनानी, 5वीं वाहिनी, मुरैना	एआईजी, पीएचक्यू, भोपाल
मीना चौहान	एएसपी, नारको, मंदसौर	एसपी, अजाक, उज्जैन
मांगू अजनार	उपसेनानी, 24वीं वाहिनी, जावरा	एएसपी, नारकोटिक्स, मंदसौर
राजेश्वरी महोबिया	एसपी, रेडियो, भोपाल	एएसपी, सीआईडी, भोपाल
सुरेंद्र पाल डाबर	एएसपी, पीटीएस, रीवा	एएसपी, जिला निवाड़ी
नीतू कुमरे डाबर	एसपी, अजाक, रीवा	एएसपी, फोटो, पीएचक्यू
पर्वत मसराम	उपसेनानी, 8वीं वाहिनी, छिंदवाडा	उपसेनानी, 6वीं वाहिनी, जबलपुर
प्रतिभा त्रिपाठी	एएसपी, जिला निवाडी	एसपी, अजाक, रीवा
नागरिया जामले	एसपी, डायल-100, भोपाल	एआईजी, एसएएफ, जबलपुर
मनकामना प्रसाद	एएसपी, जिला बुरहानपुर	एआईजी, पीएचक्यू, भोपाल
अभिषेक दीवान	एआईजी, चयन, पीएचक्यू	एएसपी, जिला बुरहानपुर

Badri Gautam

प्रदेश के 471 कॉलेज प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश के 450 से अधिक कॉलेज प्राचार्यविहीन संचालित हो रहे हैं। उनके स्थान पर कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर को प्रभारी नियुक्त कर काम चलाया जा रहा है। प्रदेश के 515 कॉलेजों में से 471 कॉलेज में प्रभारी प्राचार्य हैं। राजधानी में 11 कॉलेजों में से आठ कॉलेज में प्रभारी प्राचार्य हैं। कॉलेजों में स्थायी प्राचार्य न होने से शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अन्य स्टाफ भी उनके आदेश को नहीं मानते। राजधानी के सबसे बड़े स्वायत्तशासी नूतन कॉलेज में भी प्रभारी प्राचार्य हैं। वहीं एमएलवी, गीतांजलि, नवीन कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बेनजीर व हमीदिया कॉलेज में भी प्रभारी प्राचार्य पदस्थ हैं, सिर्फ दो कॉलेज में स्थायी प्राचार्य हैं। बता दें, कि कॉलेजों में 2010 के बाद प्रोफेसरों को पदोन्नति नहीं दी गई। इसका कारण है कि आरक्षण और एकेडमिक ग्रेड पे को लेकर प्रकरण न्यायालय में लंबित है।

प्रदेशभर में पीजी और यूजी कॉलेज मिलाकर प्राचार्यों के 471 कॉलेजों में प्रभारी प्राचार्य हैं और सिर्फ 44 कॉलेजों में स्थायी प्राचार्य हैं। प्रदेश के पीजी कॉलेजों में प्राचार्य के 98 पदों में से 77 पद खाली हैं। वहीं यूजी कॉलेजों में 417 में से 394 पद खाली हैं। भोपाल के 11 कॉलेजों में से दो कॉलेजों में ही स्थायी प्राचार्य हैं बाकी प्रभारी के भरोसे चल रहा है।

इन कॉलेजों में प्रभारी प्राचार्य

नूतन कॉलेज- **डॉ. प्रतिभा सिंह**
एमएलवी कॉलेज- **निशा पालीवाल**
गीतांजलि कॉलेज-**अल्का डेविड**
हमीदिया कॉलेज -**पीके जैन**
बेनजीर कॉलेज - **सरोज श्रीवास्तव**
एमवीएम - **डॉ. महेंद्र सिंह**
नवीन कला महाविद्यालय- **राजीव वाघे**
शा.संस्कृत महाविद्यालय - **डॉ. पीके जमरा**

यहां स्थायी प्राचार्य

भेल कॉलेज - **डॉ. एम प्रसाद**
लॉ कॉलेज - **डॉ. सुधा बैसा**

> कॉलेजों में प्राचार्य के 75 फीसद पद पदोन्नति से भरे जाते हैं, लेकिन पदोन्नति का मामला न्यायालय में लंबित है। इस कारण कॉलेजों को स्थायी प्राचार्य नहीं मिल पा रहे हैं।
>
> **- अनुपम राजन,**
> प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग

> साल 2010 के बाद प्रोफेसरों को पदोन्नति नहीं दी गई है। कारण यह है कि पदोन्नति को लेकर विवाद है और मामला कोर्ट में लंबित है।
>
> **- आनंद शर्मा,**
> महासचिव, प्राध्यापक संघ

Badri Gautam

प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का पांच फरवरी तक होगा सत्यापन

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण के बीच 18 जनवरी से प्रदेश के कॉलेज खुल चुके हैं। कॉलेजों में अब भी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की भीड़ देखी जा रही है। लेकिन ज्यादातर विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन नहीं हुआ है। ऐसे में उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को पांच फरवरी तक दस्तावेज सत्यापन कराने का समय दिया है। विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि यदि विद्यार्थी उक्त समय में दस्तावेज जमा कर उनका सत्यापन नहीं कराते हैं तो उनका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। बता दें कि कॉलेजों में जनवरी के पहले सप्ताह तक नए सत्र के लिए विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया था। वहीं, कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया बंद हुए 15 दिन बीत चुके हैं। लेकिन अब भी करीब 30 फीसद विद्यार्थियों द्वारा कॉलेजों में जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

प्रक्रिया

- **उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किए आदेश, जल्द पूरा कर लें नामांकन**
- **18 जनवरी से प्रदेश के कॉलेज खुल चुके हैं, लेकिन उपस्थिति कम है**

Badri Gautam

अब भी कॉलेज में विद्यार्थियों की संख्या कम है, इसलिए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को दस्तावेज जमा करने और सत्यापन के लिए पांच फरवरी तक तारीख बढ़ाई गई है।

–डॉ. एम प्रसाद, प्राचार्य, भेल कॉलेज

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को शनिवार तक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन अब इस तिथि को बढ़ाकर पांच फरवरी कर दिया गया है। साथ ही विभाग ने पांच फरवरी तक कॉलेजों को सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए हैं।

कर्मचारियों को मिले आयकर में छूट

जबलपुर. मप्र तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रमोद तिवारी, अर्वेन्द्र राजपूत, अटल उपाध्याय ने बताया कि कर्मचारियों को वार्षिक आय पर 2500 रुपये वृत्तिकर एवं 2.5 लाख से अधिक वेतन पर आयकर कटौती किये जाने का प्रावधान है। इसी तरह कोरोना वायरस की आड़ में कर्मचारियों का 5 प्रतिशत बढ़ा हुआ महँगाई भत्ता एवं एरियर्स का भुगतान नहीं किया गया है। संगठन ने शासन से कर्मचारियों को आयकर में छूट दिये जाने की माँग की है।

Badri Gautam

संयुक्त मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन- सफाई कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष जगदीश चौहटेल ने बताया कि निगम की सफाई ठेका समाप्ति, संविदा कर्मी की सीधी भर्ती और मकान का मालकाना हक पाने के लिये नगर निगम का घेराव कर कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा गया।

व्यापमं : तीन आरोपियों को कोर्ट से मिली अंतरिम राहत

दो आरोपी गिरफ्तारी वारंट से तलब

ग्वालियर | मेडिकल कॉलेज में नियमविरुद्ध तरीके से प्रवेश लेने के तीन आरोपी सीबीआई के विशेष न्यायालय में पेश हुए। हालांकि, न्यायालय ने कुल पांच आरोपियों को तलब किया था। इसमें फरहत खान, अंशुल दुबे और सुमित चौहान पेश हुए। कोर्ट ने तीनों को 50-50 हजार के मुचलके पर अंतरिम राहत प्रदान की। जबकि अनीरा इकबाल और आयुष शर्मा गैरहाजिर रहे। अनीरा इकबाल अमेरिका से पीजी कर रही हैं। इस कारण वे अनुपस्थित रहीं। दोनों आरोपियों को कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट से तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई आठ मार्च को होगी।

Badri Gautam

वॉट्सऐप: नई प्राइवेसी पॉलिसी को सुप्रीम कोर्ट में मिली चुनौती

नई दिल्ली . वॉट्सऐप की नई प्राइवेसी पॉलिसी को इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में पॉलिसी पर अंतरिम स्थगन आदेश देने की गुजारिश की गई। कहा गया है कि नई पॉलिसी से 40 करोड़ यूजर की गोपनीयता प्रभावित होगी। इसे जबरन यूजर पर थोपा जा रहा है। दलील दी गई कि वॉट्सऐप को अन्य निजी मैसेजिंग सर्विस प्रदाता की तरह नहीं माना जा सकता। प्रतिस्पर्धा आयोग ने ओटीटी मार्केट में इसे प्रमुख स्थान पर पाया है।

एमपीपीएससी परीक्षा के नियमों में संशोधन पर नोटिस

जबलपुर. मप्र हाईकोर्ट ने एमपी पीएससी के नियमों में संशोधन को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी किए। चीफ जस्टिस मोहम्मद रफीक व जस्टिस विजय कुमार शुक्ला की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार व एमपीपीएससी से मामले पर जवाब-तलब किया। जबलपुर के बाई का बगीचा निवासी प्रमोद सिंह सिरसाम की ओर से याचिका दायर कर कहा गया कि मप्र पीएससी नियम 2015 में 17 फरवरी 2020 को संशोधन कर दिया गया। अधिवक्ता यश सोनी ने तर्क दिया कि सुप्रीम कोर्ट ने सौरभ यादव बनाम उत्तरप्रदेश सरकार मामले में स्पष्ट किया है कि यदि आरक्षित वर्ग का अभ्यर्थी अनारक्षित वर्ग के कट ऑफ मॉर्क्स लाता है तो उसे अनारक्षित वर्ग में शामिल किया जाएगा।

Badri Gautam

परीक्षार्थियों की संख्या ज्यादा, अब दो पालियों में होंगे पेपर

गुना. लोक शिक्षण संचालनालय ने अर्द्धवार्षिक परीक्षा की समय सारिणी में बदलाव किया है। अब एक पाली की बजाए दो पालियों में पेपर होंगे। इस बदलाव की मुख्य बजह परीक्षार्थियों की अधिक संख्या बताया गया है, क्योंकि कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए एक ही पाली सभी विद्यार्थियों के पेपर करवाना संभव नहीं है। लोक शिक्षण संचालनालय की अपर संचालक कामना आचार्य ने संशोधित पत्र में बताया कि सत्र 2020-21 की अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिए समय सारिणी जारी की गई है।

Badri Gautam

विद्यार्थियों को बताया संप्रेषण कौशल और साक्षात्कार का सही तरीका

जबलपुर(नईदुनिया रिपोर्टर)। रोजगार प्राप्ति के अवसरों की प्रतीक्षा कर रहे विद्यार्थियों के मार्ग में आ रही विभिन्न समस्याओं के व्यापक निवारण के लिए शासकीय विज्ञान कॉलेज में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन विवेकानंद करियर मार्गदर्शन व व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में आमंत्रित वक्ता रुचि श्रीवास्तव ने संप्रेषण कौशल व साक्षात्कार की तैयारी के संबंध में विचार रखे।

वक्ता ने बताया कि साक्षात्कार के दौरान कई बार ऐसा होता है कि प्रतिभागियों को जानकारी होते हुए भी वे अपनी बात सामने वाले के सामने नहीं रख पाते। इसका कारण यही है कि संप्रेषण कौशल का अभाव होता है। जब साक्षात्कार लेने वाले सवाल करते हैं तब ही प्रतिभागियों के मन में घबराहट व झिझक आ जाती है। जबकि इंटरव्यू देने के समय सबसे ज्यादा जरूरी है आत्मविश्वास। हो सकता है कि ज्यादा जानकारी न हो लेकिन जो भी जितना भी मालूम है उसे आत्मविश्वास के साथ बताना चाहिए। इससे सामने वाला समझ जाता है कि आपको खुद पर विश्वास कितना है। इसके अलावा जो भी भाषा बोलें उसकी जानकारी होना भी जरूरी है। आधी-अधूरी भाषा का उपयोग नहीं करना चाहिए। भाषा का उच्चारण भी शुद्ध होना आवश्यक है। इस अवसर पर वक्ता ने विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान भी किया। विवेकानंद प्रकोष्ठ के संभागीय नोडल अधिकारी डॉ. अरुण शुक्ला ने बताया द्विभाषिए व गाइड के रूप में रोजगार के नए क्षेत्र में संभावनाओं की जानकारी दी। सैडमेप के प्रमुख एसएल कोरी ने शासन की योजनाओं, ऋण व सहयोग की विस्तृत जानकारी दी। संजय चौबे ने सीवी बनाने से लेकर व्यक्तित्व विकास के बारे में बताया। अखिल चौरसिया द्वारा मप्र में उद्योगों के वर्तमान स्वरूप व संभावनाओं पर अपनी बात रखी। प्राचार्य डॉ.एएल महोबिया ने विद्यार्थियों से व्याख्यानों का अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया। विवेकानंद प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. जया वाजपेई, डॉ.रेखा अग्रवाल का संयोजन रहा। डॉ. आरपीएम चंदेल, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ.उषा मसराम, डॉ.राजश्री कूपर, डॉ. मधु दुबे, डॉ. अवधेश वागरी का सहयोग रहा।

Badri Gautam

जीवाजी विवि के स्वास्थ्य केन्द्र के लिए शुरु होगा पैरामेडिकल पाठ्यक्रम

तीन बैठकों के बाद रेक्टर को दी विदाई

ग्वलियर,न.सं.

जीवाजी विश्वविद्यालय के फार्मेसी अध्ययनशाला में डिप्लोमा इन फार्मेसी पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही जेयू के स्वास्थ्य केंद्र के लिए पैरामेडिकल कोर्स भी प्रारंभ किए जाएंगे।

ये निर्णय जीवाजी विश्वविद्यालय के टंडन हॉल में शनिवार को हुई विद्या संबंधी योजना तथा मूल्यांकन बोर्ड की वार्षिक बैठक में लिए गए। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में हुई बैठक में रेक्टर प्रो. डीडी अग्रवाल, प्रभारी कुलसचिव डॉ. आईके मंसूरी, डॉ. केशव सिंह गुर्जर, प्रो. विवके बापट, प्रो. पीके तिवारी, प्रो. योगेश उपाध्याय, प्रो. डीसी गुप्ता, प्रो. नलिनी श्रीवास्तव, प्रो.एसके गुप्ता, प्रो. जेएन गौतम, प्रो. एसके शुक्ला, प्रो. केशव ठाकुर मौजूद रहे। दोनों बैठकों के बाद वर्तमान रेक्टर प्रो डीडी अग्रवाल के सेवानिवृत्त होने पर सभी ने पुष्पगुच्छ देकर उन्हें विदाई दी।

Badri Gautam

ये हुए निर्णय

- आजीवन विस्तार शिक्षा व समाजकार्य अध्ययनशाला में स्ववित्तीय स्कीम के अंतर्गत एमए वूमन स्टडीज कोर्स प्रारंभ किए जाने की अनुमति प्रदान की गई।
- योग विज्ञान केंद्र अध्ययनशाला तीन वर्षीय 6 सेमेस्टर बीए ऑनर्स योगा सत्र 2021- 2024 से प्रारंभ किए जाने की अनुमति प्रदान की गई। उक्त पाठ्यक्रम का संचालन कला संकाय के अुंतर्गतहोगा
- प्राणी विज्ञान अध्ययनशाला के अंतर्गत 6 माह के सर्टिफिकेट कोर्सेस शुरू किए जाएंगे।
- सीआईएफ विभाग के अंतर्गत बीएससी ऑनर्स इंस्ट्रूमेंटेशन कोर्स एवं सर्टिफिकेट इन इंस्ट्रूमेंटेशन सर्टिफिकेट इन एनालिटिकल टेक्निक्स प्रारंभ किए जाने का निर्णय हुआ।
- जेयू की अध्ययनशालाओं में यदि कोई विभाग सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करना चाहता है तो व प्रस्ताव तैयार करे। इसके लिए अनुमति प्रदान करने के लिए कुलपति को अधिकृत किया गया। मान्यता प्राप्त होने के बाद ही कोर्स को प्रारंभ किया जाएगा।

जीवाजी ने घोषित किए परिणाम

ग्वालियर,न.सं.। जीवाजी विश्वविद्यालय ने बीएएलएलबी आठवे सेमेस्टर,एमफील द्वितीय वर्ष,एमए ज्योग्राफी चतुर्थ सेमेस्टर प्राइवेट,बीएएलएलबी छठवे सेमेस्टर और बीपीटी तृतीय वर्ष 2019 का परिणाम शानिवार को घोषित कर दिया गया है।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री का पुतला जलाया

ग्वालियर,न.सं.। नर्सिंग के विद्यार्थियों को जनरल प्रमोशन को लेकर नर्सिंग छात्र संगठन मध्यप्रदेश एनएसके के प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र गुर्जर के नेतृत्व में ज्यारोग्य हॉस्पिटल के गेट पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन करने वालो में प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार,सौरभ ,गौरव रिंकू सहित अन्य मौजूद रहे।

ऑब्जर्वेशनल एस्ट्रोनॉमी पर ऑनलाइन व्याख्यान कल से

भोपाल। मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकॉस्ट) द्वारा ऑब्जर्वेशनल एस्ट्रोनॉमी पर द्वितीय विंटर स्कूल का वर्चुअल माध्यम से आयोजन 1 से 12 फरवरी तक किया जाएगा। मेपकॉस्ट आईआईटी, इंदौर एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स बेंगलुरू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शोधार्थियों और विद्यार्थियों को खगोल विज्ञान के क्षेत्र में नए अनुसंधानों से परिचित कराना है।

कार्यक्रम

Badri Gautam

छात्रा को कुचलने वाले बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज

संस्कार वैली पब्लिक स्कूल की जांच शुरू

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल

editor@peoplessamachar.co.in

Badri Gautam

नजीराबाद इलाके में स्कूल बस से कुचलकर हुई छात्रा की मौत के मामले में पुलिस ने बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर शिक्षा विभाग ने भी स्कूल प्रबंधन की लापरवाही को लेकर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह के मुताबिक ग्राम टिकरिया निवासी रेणु गुर्जर कढ़ैया शाह स्थित संस्कार वैली पब्लिक स्कूल में दसवीं में पढ़ती थी। गुरुवार शाम वह बस से घर लौट रही थी। गांव के पास स्टॉप पर चालक ने बस रोकी तो रेणु उतरने लगी, तभी चालक ने तेजी के साथ बस को आगे बढ़ा दिया था। इस हादसे में छात्रा बुरी तरह से घायल हो गई थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया था। हादसे के बाद चालक बस लेकर भाग निकला था। टक्कर मारने वाले चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। चालक की गिरफ्तारी और बस जब्त करने के लिए पुलिस टीम भेजी गई है, जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीईओ से मांगी है जांच रिपोर्ट

बीईओ से जांच प्रतिवेदन मांगा गया है। साथ ही असिस्टेंट डायरेक्टर को मामले की जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

नितिन सक्सेना, डीईओ, भोपाल

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आज, एडमिट कार्ड जारी

भोपाल। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन द्वारा आयोजित केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार को आयोजित की जा रही है। इसके प्रवेश पत्र डाउनलोड कर दिए गए हैं। पेपर-1 में 150 मार्क्स के 150 प्रश्न पूछे जाएंगे।

इसमें चाइल्ड डेवलपमेंट एंड पेडागॉजी, लैंग्वेज 1, लैंग्वेज 2, मैथ्स, एनवायरनमेंटल स्टडीज से जुड़े 30-30 प्रश्न पूछ जाएंगे। वहीं पेपर-2 में भी 150 मार्क्स के 150 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें चाइल्ड डेवलपमेंट एंड पेडागॉजी, लैंग्वेज 1, लैंग्वेज 2, मैथ्स व साइंस (मैथ्स व साइंस के टीचरों के लिए) या सोशल स्टडीज/सोशल साइंस (सोशल स्टडीज/ सोशल साइंस टीचर के लिए) से जुड़े प्रश्न पूछ जाएंगे।

Badri Gautam

प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट के एडमिट कार्ड जारी: प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड ने प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट 2020 के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। उम्मीदवार एमपी पीईबी की ऑफिशियल वेबसाइट से एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। टेस्ट शुरू होने से पहले बैठने की जगह को पूरी तरह सेनिटाइज किया जाएगा। 2 सीटों के बीच गैप रखा जाएगा। स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए दस्ताने पहनने वाले पर्यवेक्षकों द्वारा परीक्षा शुरू होने से पहले सभी शीट पर रफ कॉपी, शीट को रखा जाएगा।

केंद्रीय कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए लोकायुक्त पुलिस तैयार, बनी सहमति

कानूनी बारीकियां सिखाने आए विशेषज्ञों ने कहा, कार्रवाई का अधिकार है, सुपारी-चिंगम खाने से नहीं बदलती आवाज, जांच में सच सामने आएंगे

नगर प्रतिनिधि, भोपाल। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने वाली एजेंसियां सामान्य तौर पर केंद्रीय कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई नहीं करती हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मध्यप्रदेश की लोकायुक्त संगठन पुलिस अब ऐसा करने जा रही है। क्योंकि कार्रवाई को लेकर सहमति बन गई है।

यह सहमति लोकायुक्त संगठन पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के दौरान बनी है। लोकायुक्त संगठन पुलिस ने अपने डीएसपी और टीआई स्तर के अधिकारियों के लिए दो दिन का प्रशिक्षण आयोजित किया था। दूसरे दिन शनिवार को तमाम विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया और अपनी राय दी। सभी ने एक स्वर में कहा कि लोकायुक्त पुलिस राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ केंद्रीय अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कार्रवाई कर सकती है। क्योंकि वे भी लोकसेवक की श्रेणी में आते हैं। एसपी लोकायुक्त ग्वालियर संजीव सिन्हा ने इस संबंध में एक प्रजेंटेशन भी दिया है। सामान्य तौर पर राज्य सरकार की एजेंसियां राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करती हैं। केंद्रीय एजेंसियां केंद्र सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करती हैं। विशेषज्ञों का कहना था कि राज्य की कई एजेंसियों ने केंद्र सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। मध्यप्रदेश में भी कई अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। अब केंद्रीय कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आएगी। एफएसएल भोपाल सीनियर सांइटिस्ट डा. विनय मिश्रा ने कहा कि किसी भी आरोपी के सुपारी और चिंगम खाने से आवाज नहीं बदलती है। जांच में पूरा सच सामने आ जाता है। हां, इस पर एहतियात बरतना जरूरी है। दरअसल लोकायुक्त संगठन पुलिस जब किसी को रिश्वत लेते हुए पकड़ती है, तब फरियादी और आरोपी के बीच हुई वाली बातचीत की रिकार्डिंग कराती है। आरोपी की उस आवाज का मिलान कराने के लिए वह सैंपल लेती है। जब सैंपल लिया जाता है, तब आरोपी बचने के लिए अलग-अलग तरह के प्रयास करते हैं। कोई चिंगम खाते हैं, कोई सुपारी, कोई मठा-दही खाकर आवाज को बदलने की कोशिश करते हैं। कुछ मुंह में सिक्का डाल लेते हैं। डा. मिश्रा ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन रिकार्डिंग वाली आवाज साफ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल से होने वाली रिकार्डिंग से परहेज करना चाहिए, क्योंकि 3900 फ्रिक्वेंसी की आवाज मोबाइल में सही तरीके से रिकार्ड नहीं होती है। इसलिए रिकार्डर का उपयोग करना चाहिए। लोकायुक्त संगठन पुलिस के निरीक्षक मुकेश तिवारी ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं की बारीकी से जानकारी दी और कार्रवाई को लेकर तमाम सुझाव भी दिए हैं। प्रशिक्षण शिविर का समापन अवसर पर डीजी जेल संजय राणा, पूर्व डीजी अनिल कुमार समेत तमाम अधिकारी मौजूद थे।

Badri Gautam

संजय चौधरी और संजय राणा को दी गई विदाई

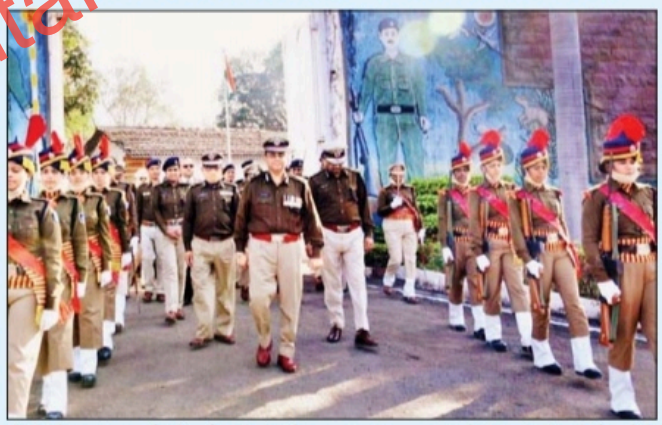

डीजी जेल संजय चौधरी और डीजी लोकायुक्त संजय राणा को विदाई दी गई है। दोनों अधिकारी 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। चूंकि 31 जनवरी को रविवार है, इसलिए विदाई समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया। चौधरी की विदाई के लिए मुख्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। लोकायुक्त संगठन में भी इसी तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अफसरों ने कहा कि एक यात्रा का समापन हुआ है। कल से नई यात्रा की शुरुआत होगी। दोनों अफसरों ने मातहतों से मिले मान-सम्मान को लेकर आभार जताया है।

विशेष परीक्षा के लिए सभी जिला मुख्यालयों में बनाए गए केन्द्र

आगामी पांच फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

का.सं.| रीवा

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की ओर से विशेष परीक्षाओं के लिए सभी जिला मुख्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। विश्वविद्यालय क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया और अनूपपुर जिला मुख्यालय में एक-एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। बताया गया है कि विश्वविद्यालय ने आगामी पांच फरवरी से एटीकेटी रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष परीक्षाएं आयोजित करने का निश्चय किया है। इस परीक्षा में ऐसे विद्यार्थी सम्मिलित हो सकेंगे जो सेमेस्टर परीक्षाओं में एटीकेटी रहे हैं या फिर वार्षिक परीक्षा प्रणाली के तहत पूरक रहे हैं।

Badri Gautam

संख्या कम होने के कारण सिर्फ सात सेंटर

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की ओर से बताया गया है कि विशेष परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम है। इसलिए आम परीक्षाओं की जगह परीक्षा केन्द्रों की संख्या कम रखी गई है। वहीं इसमें सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा देने के लिए अपने गृह क्षेत्र से ज्यादा दूरी नहीं जाना पड़े इसे ध्यान में रखते हुए उनके जिलों में परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं।

परीक्षा का अंतिम अवसर

विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार विशेष परीक्षा के रूप में विद्यार्थियों को अंतिम अवसर दिया जा रहा है। इस परीक्षा से वंचित रहने वाले विद्यार्थियों को अब आने वाले समय में अन्य अवसर नहीं मिल पाएगा। जिसे देखते हुए कहा गया है कि प्रत्येक विद्यार्थी इस परीक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल हों, जिससे उनका वर्ष बेकार नहीं जाने पाए और वह अगली कक्षाओं में प्रवेश पा सकें।

परीक्षाएं बच्चों की लेकिन तैयारी माता-पिता की भी

जबलपुर (नईदुनिया रिपोर्टर)। सीवीएसई के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने भी परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा कर दी है। जिससे जिन परिवारों में स्कूल के विद्यार्थी हैं वहां के पूरे माहौल में परिवर्तन हो गया है। कहने के लिए तो परीक्षाएं वच्चों की हैं लेकिन वच्चों से कहीं ज्यादा तैयारियां माता-पिता की हो रही हैं। हर वार तो माहौल फिर भी थोड़ा अलग रहता था लेकिन कोरोना काल में इस वार हर घर का माहौल व रूटीन दोनों में ही वहुत अंतर आ गया है। परिणामस्वरूप अव घर में परीक्षा का माहौल वनाने के लिए विशेष तैयारियां करना पड़ रही हैं। स्कूलों में भी लगातार पेरेन्ट्स के सवाल आ रहे हैं कि परीक्षाएं कव व कैसे होंगी, जिससे वे अपने वच्चों को उसके अनुसार तैयारी करवा सकें। पद्मा वर्मा ने वताया कि वीते साल उनकी वेटी 10वीं वोर्ड में थी और इस वार वेटा 10वीं वोर्ड देने वाला है। वात अभी एक साल की ही है लेकिन कोरोना के कारण वच्चे इस वार पूरे समय घर पर रहे। स्कूल जाना नहीं हुआ। आनलाइन पढ़ाई होती रही, जिससे वच्चों के साथ-साथ हम लोगों की मानसिकता पर भी काफी असर हुआ है। वच्चे भी कुछ हद तक आलसी हुए हैं तो वहीं हम लोग भी आराम के मूड में रहते हैं। क्योंकि सुवह जल्दी उठ कर हड़वड़ी जैसा कोई माहौल नहीं रहता। इसलिए अव जव परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं तो सुवह उठना शुरू किया है। वच्चों के साथ-साथ हम लोग भी अटेंशन में आ रही हैं कि कहीं लापरवाही महंगी न पड़ जाए। विनायक दुवे का कहना है कि उनका वेटा इस वार 12वीं में हैं। सीवीएसई 12वीं की तैयारी वैसे भी कठिन होती है। परीक्षाओं को देखते हुए हमने पर इतने दिनों से जो रूटीन चल रहा था उसमें परिवर्तन किया है। सवसे पहले टीवी और मोवाइल के उपयोग को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे वच्चे का ध्यान न भटके। इनका उपयोग थोड़े वहुत मनोरंजन के लिए हो रहा है।

Badri Gautam

एसएससी परीक्षा 14 फरवरी को

नई दिल्ली. कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) कंबाइंड हायर सेकंडरी लेवल (सीएचएसएल) टियर-2 परीक्षा 14 फरवरी को होगी। एडमिट कार्ड परीक्षा से 7 दिन पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। इस परीक्षा में वे उम्मीदवार शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने टियर-1 की परीक्षा पास की हो।

Badri Gautam

विवाहित पुत्री को भी है अनुकम्पा नियुक्ति का हक

जबलपुर. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने एक अहम आदेश में कहा कि विवाहित पुत्री को भी अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार है। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने जेल विभाग को तीन माह के भीतर याचिकाकर्ता की शिकायत दूर करने का निर्देश दिया। जबलपुर निवासी दिव्या दीक्षित की ओर से अधिवक्ता अनिरुद्ध पांडे ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता कृष्ण कुमार पांडे जबलपुर जेल में कार्यरत थे। दो सितंबर 2007 को कार्य के दौरान उनका निधन हो गया। इसके बाद 21 सितंबर, 2019 को याचिकाकर्ता की मां कृष्णा पांडे का भी निधन हो गया। याचिकाकर्ता माता-पिता की इकलौती संतान है। उसका विवाह 2010 में हुआ था। माता-पिता के निधन के बाद याचिकाकर्ता ने जेल विभाग में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया।

Badri Gautam

हाईकोर्ट : नवोदय से शिक्षित छात्र को मिली हाईकोर्ट से राहत

Badri Gautam

बिलासपुर. मरवाही तहसील के ग्राम निम्मदा निवासी आशीष डेनियल ने नवोदय विद्यालय में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा प्राप्त की। बाद में डीएलएड का डिप्लोमा प्राप्त किया। मरवाही जिले के आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में सहायक शिक्षक कला अंग्रेजी माध्यम के पद का विज्ञापन निकाला जिसमें योग्यता के कालम में लिखा मान्यता प्राप्त बोर्ड से हायर सेकेंडरी एवं डीएड को प्राथमिकता दी जाएगी।

जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नाजिरा खान को आज दिल्ली में मिलेगा अवार्ड

श्योपुर. आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नाजिरा खान को राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा कोविड वूमन वॉरियर चुने जाने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी बधाई दी है। मुख्यमंत्री चौहान ने पत्रिका में प्रकाशित नाजिरा खान वाली खबर को पोस्ट करते हुए ट्वीट किया और नाजिरा खान को बधाई दी। पत्रिका खबर के साथ सीएम ने अपने ट्वीट में लिखा कि राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा कोविड वूमन वारियर-द रियल हीरो के रूप में श्योपुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नाजीरा खान को उनकी कठिन समय के दौरान अनुकरणीय सेवा के लिए चुना गया है, ये हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।

Badri Gautam

बीयू में लागू होगा स्टूडेंट चार्टर, छात्रों की समस्या समय पर हल नहीं होने पर सजा का भी प्रावधान

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में डेढ़ दर्जन मुद्दों पर चर्चा

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9893231237

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में स्टूडेंट्स की 26 तरह की समस्याओं को समय सीमा में हल करने के लिए स्टूडेंट चार्टर लागू करने की तैयारी है।

बीयू की शनिवार को हुई कार्यपरिषद की बैठक में इस पर चर्चा हुई। ईसी की बैठक में लगभग डेढ़ दर्जन अन्य प्रस्ताव रखे गए, जिन पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। ज्ञात हो कि ईसी मेंबर किशन सूर्यवंशी ने पिछली बैठक में स्टूडेंट चार्टर लागू करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि उसमें समय सीमा में छात्रों की समस्या हल नहीं होने पर अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए सजा का प्रावधान नहीं होने से इसे संशोधित कर अगली बैठक में रखने को कहा गया है। इसमें छात्रों से जुड़ी 26

Badri Gautam

प्रकार की सुविधाएं चिह्नित की गई हैं। बैठक में 11 साल पुराने केबल के 3 लाख 90 हजार रुपए के भुगतान का प्रस्ताव रखा गया। इसकी ओरिजनल फाइल के बजाय फोटोकॉपी पेश करने के कारण ईसी ने कुलपति को अधिकृत किया है कि इसका अध्ययन कर अगली बैठक में रखें। बीयू द्वारा पूर्व में 12 करोड़ रुपए का इनकम टैक्स जमा करने का मामला भी बैठक में रखा गया, जिसमें ईसी ने कंसल्टेंट रखे जाने का आदेश दिया, ताकि इनकम टैक्स में कोई गड़बड़ी न हो।

अब 65 के बजाय 62 वर्ष में रिटायर होंगी प्रो. शुक्ला

अंबेडकर विवि की कुलपति प्रो. आशा शुक्ला को छानबीन समिति ने प्रोफेसर के बजाय परियोजना अधिकारी बताया है। इस पर ईसी ने भी मुहर लगा दी। अब वह 65 के बजाय 62 वर्ष में रिटायर होंगी। हालांकि कुलपति पद पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। प्रो. शुक्ला कुलपति बनने से पूर्व बीयू के महिला अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष थीं। उनके प्रोफेसर होने पर विवाद था।

प्लेसमेंट सेल बनेगी: ईसी में प्लेसमेंट अधिकारी नरेन्द्र रघुवंशी की 25 हजार से 35 हजार रुपए वेतन वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया। ईसी ने सहमति दे दी। बीयू में पिछले वर्षों में छात्रों का कोई खास प्लेसमेंट नहीं होने पर ईसी ने प्लेसमेंट सेल बनाने के निर्देश दिए।

बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे 52 हजार परीक्षार्थी

भास्कर न्यूज. सतना

इस बार 30 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रही माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में नियमित और प्राइवेट छात्रों को मिलाकर 52 हजार 839 परीक्षार्थी परीक्षा में हिस्सा लेंगे। तीन महीने बाद होने वाली इस परीक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने टाइम टेबिल भी जारी कर दिया है। टाइम टेबिल के अनुसार 30 अप्रैल को 10वीं का पहला पेपर होगा, वहीं 1 मई को 12वीं का। बताया गया कि परीक्षा के लिए जिला शिक्षा कार्यालय से परीक्षा केन्द्रों की जो सूची भेजी गई है, वह अभी तक फाइनल होकर नहीं आई है। जिले से 115 परीक्षा केन्द्र बनाने का प्रस्ताव मंडल को भेजा गया है। जिला शिक्षा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बार कक्षा 10वीं के लिए 30 हजार 332 छात्र पंजीकृत किए गए हैं। वहीं कक्षा 12वीं के लिए 18 हजार 655 छात्रों का पंजीयन हुआ है। प्राइवेट के तौर पर 10वीं में 2245 एवं 12वीं में 1607 छात्रों द्वारा आवेदन किए गए हैं।

कब किस विषय का पेपर

जारी किए गए टाइम टेबिल के अनुसार 30 अप्रैल को विशिष्ट भाषा हिन्दी, 3 मई को सामाजिक विज्ञान, 4 को विशिष्ट भाषा, 5 को विशिष्ट भाषा संस्कृत, 6 मई को पेंटिंग, 8 को विज्ञान, 11 को विशिष्ट भाषा अंग्रेजी एवं 15 मई को गणित का पेपर होगा। कुल 9 दिनों में 10वीं के सभी पेपर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार कक्षा 12वीं का पहला पेपर 1 मई को विशिष्ट भाषा हिन्दी का होगा। 3 मई को विशिष्ट भाषा संस्कृत, 4 को फिजिक्स, व्यावसायिक अर्थशास्त्र, 5 को विशिष्ट भाषा उर्दू, 6 को विशिष्ट भाषा अंग्रेजी, 8 को व्होकेशनल कोर्स, 10 को भूगोल, स्टिल लाइफ एंड डिजाइन, 11 को बायोलॉजी, बायोटेक्नॉलाजी, 12 मई को समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, कृषि, 13 को केमिस्ट्री, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, 17 को मैथमैटिक्स और 18 मई को भारतीय संगीत और राजनीति शास्त्र की परीक्षा होगी।

Badri Gautam

सुबह साढ़े 7 बजे पहुंचना होगा परीक्षा केन्द्र

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा टाइम टेबिल में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा प्रारंभ होने के आधा घंटे पहले यानि साढ़े 7 बजे परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र में पहुंचना होगा। 7.45 के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 10 मिनट पहले छात्रों को उत्तर-पुस्तिकाएं एवं 5 मिनट पूर्व प्रश्न-पत्र दिए जाएंगे। नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं उनके विद्यालय में ही आयोजित की जाएंगी। वहीं स्वाध्यायी छात्रों की प्रायोगिक परीक्षाएं आवंटित किए गए परीक्षा केन्द्रों में होंगी।

आयुष काउंसिलिंग में आज से फिर से शुरू होंगे पंजीयन

भोपाल। प्रदेश के निजी और सरकारी आयुष (आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी और सिद्धा) कॉलेजों में स्नातक कोर्स में दाखिले के लिए उम्मीदवारों को पंजीयन का एक बार फिर मौका दिया जा रहा है। भारत सरकार ने दाखिले के लिए न्यूनतम अंक कम कर दिए हैं। इस वजह से फिर पंजीयन कराया जा रहा है। पंजीयन एक फरवरी से छह फरवरी की रात 12 बजे तक किए जा सकेंगे।

उप संचालक आयुष डॉ. सुशील तिवारी ने बताया कि अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए नीट में न्यूनतम 50 फीसद अंक और आरक्षित वर्ग के लिए 40 फीसद अंक थे। सीटें खाली न रहें, इसलिए नीट में अनारक्षित वर्ग के लिए न्यूनतम अंक 40 फीसद और आरक्षित वर्ग के लिए 30 फीसद कर दिया गया है। डॉ. तिवारी ने बताया कि प्रदेश में मौजूदा स्थिति में आयुष स्नातक कोर्स की 1100 सीटें हैं। दो चरणों की काउंसलिंग में इनमें 450 सीटें आवंटित हो गई हैं। दूसरे चरण के लिए दाखिले की प्रक्रिया 31 जनवरी तक चलेगी। इसके बाद पता चल पाएगा की कितने सीटें खाली रहे गई हैं।

दाखिला

- **न्यूनतम अंक कम करने की वजह से कराया जा रहा दोबारा पंजीयन**
- **स्नातक कोर्स में दाखिले के लिए उम्मीदवारों को एक और मौका**

Badri Gautam

विद्यार्थियों-शिक्षकों ने मौन रहकर किया अध्ययन-अध्यापन

बापू की पुण्यतिथि पर मॉडल स्कूल में आयोजन

जबलपुर (नईदुनिया रिपोर्टर)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर वीते 61 वर्षों की परंपरा का निर्वहन करते हुए मौन रखकर बापू को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विद्यालय की संपूर्ण गतिविधियां मौन रहकर की संपादित की गईं। सुवह 11 वजे हूटर वजते ही विद्यालय में मौन शुरू हो गया, जो 1:30 वजे तक चला। सभी शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ विद्यालय परिसर में आने वाले प्रत्येक आगंतुक से भी अपेक्षा की गई कि सभी मौन रहकर ही अपने सारे काम करें। इसका उद्देश्य मौन रहकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को अपनी श्रद्धांजलि देना था।

विद्यालय की प्राचार्य वीणा वाजपेयी ने वताया कि विद्यालय की इस अनूठी परंपरा को शुरू करने का श्रेय स्व. रामेश्वर प्रसाद गुरु पूर्व महापौर के साथ ही विद्यालय के स्वर्णिम युग के प्राचार्य स्व.एसपी निगम को जाता है। जिसकी शुरुआत 61 वर्ष पहले की गई थी। खास वात यह है कि परंपराएं वन तो जाती हैं लेकिन उन्हें निभाना कठिन हो जाता है लेकिन मॉडल स्कूल में मौन की यह परंपरा अनवरत चली आ रही है। विद्यालय प्रशासन हर हाल में 30 जनवरी को होने वाले मौन का पालन करता है।

विद्यालय में अभी नवमीं से 12वीं तक के विद्यार्थी पहुंच रहे हैं जिनकी संख्या काफी कम है। जव विद्यालय में विद्यार्थियों की पूरी संख्या होती है जो कि लगभग तीन हजार होगी, तव भी यह मौन पूरी तरह सफलता से आयोजित होता है। इतने वर्षों से विद्यालय में अध्ययन करते हुए विद्यार्थी भी 30 जनवरी पर मौन रखने के अभ्यस्त हो चुके हैं। उन्हें पता है कि वह मौन रखकर हम बापू को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। स्टाफ का कहना है कि वैसे तो हम हर समय वातचीत करते ही रहते हैं। राष्ट्रपिता के स्मरण में कुछ घंटे मौन रहकर हम उन्हें याद करते हैं।

मौन के वावजूद विद्यालय में पढ़ाई भी हुई और अन्य प्रवंधन संवंधित सारे काम भी। मौन की समाप्ति के वाद ठीक एक वजकर 30 मिनट पर रामधुन व बापू के भजनों के साथ मौन व्रत का समापन किया गया।

Badri Gautam

मॉडल स्कूल में मौन रखकर अध्ययन-अध्यापन करते विद्यार्थी। ● नईदुनिया

जहाज महल से सेल्फी लेते छात्रा 30 फीट नीचे गिरी

धार. मांडू के जहाज महल में शनिवार दोपहर 1.45 बजे सेल्फी लेने के चक्कर में हादसा हो गया। खंडवा के बड़ी बोरगांव से मांडू घूमने पहुंचे दल की एक छात्रा जहाज महल से गिर गई। सेल्फी लेते वक्त छात्रा का पैर फिसला और वह 30 फीट नीचे गिर गई। छात्रा को मांडू के स्वास्थ्य केंद्र से धार रैफर किया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद छात्रा को इंदौर रेफर किया गया।